गुरु दर्शन आनंद

तर्ज़ – रब्ब मिलदा ग़रीबी दावे ... ...

संगत देख – देख सुख पावे दर्शन सत्गुरु प्यारे दा।। टेक।।

संगता दूर – दूर थीं आईयां, आके खुशियाँ खूब मनाईयां।
ए तां रोज़ –रोज़ हत्थ आवे, दर्शन ... ...

जिसनूं मिल जाये सत्गुरु मीता, भरके प्रेम प्याला पीता।
ओ तां सदा अमर हो जावे, दर्शन ... ...

सत्गुरु गुप्त भेद बतलाया, सहजे अजपा – जाप सिखाया ।
सहज – समाधि अनहद बतावे, दर्शन ... ...

"दासनदास" खड़ा हुजूर, मेरे करदे माफ़ क़सूर
तेरे चरणां नाल विहावे, दर्शन ... ...

दर्शन करके खुशियां होईयां, लख हज़ार सत्गुरु जी।। टेक।।

दर्शन जिस – जिस कीता तेरा, उसदा पार हो गया बेड़ा।।
मिट गया चौरासी दा फेरा, भवनिधि पार सत्गुरु जी, दर्शन ... ...

आयो संत रूप नूं धर के, देवें प्रेम प्याले भर के।
जिसने पीते निश्चय करके, खुले किवाड़ सत्गुरु जी, दर्शन ... ...

सुनके भगतां दी पुकार, प्रगट होये विच संसार।
नाम जहाज़ नूं करके तैयार, पापी तार सत्गुरु जी, दर्शन ... ...

''दासनदास'' मिले गुरु आन, महिमा किस विधि करां ब्यान।
तेरे बाझों मुगध अंजान, कुल संसार सत्गुरु जी, दर्शन ... ...

तर्ज़ – मैं आजिज़ कूकर जी, सत्गुरु पड़ा द्वारे तेरे ... ...

लख खुशियां होईयां जी, सत्गुरु दर्शन करके तेरा।। टेक।।

'चंद चकोर मिले सुख होवे,
दिल खुशियां माने जी, मिट गया सारा घोर अंधेरा, लख ... ...

कर कृपा प्रगटे इस जग में,
प्रभु आन पधारे जी, गल विच चमके सोहन सेहरा, लख ... ...

अजब खिड़ी गुलज़ार प्यारे,
दिल ठंडा ठरेया जी, पाया सहजे सूख घनेरा, लख ... ...

''दासनदास'' चरणों का चाकर,
सुनो अर्ज़ स्वामी जी कि मेरे हृदय लाओ डेरा, लख ... ...

?